“संत का संक्षिप्त परिचय”

गुरूदेव का नाम	ब्रम्हलीन स्वामी श्री सागरानंद सरस्वती महाराज	
संत का नाम	महंत स्वामी श्री शिव ज्ञानानंद सरस्वती महाराज	
संत की गरिमा	अखिल भारतीय दसनाम नागा संन्यासी	
अखाड़ा का नाम	तपोनिधी श्री पंचायती आनंद अखाड़ा दसनाम नागा सन्यासी, कपिलधारा, वाराणासी 211007 (उ.प्र.) 90 सी.-10 एम.बाघम्बरी, भारद्वाजपुरम्, प्रयागराज 211003 (उ.प्र.) त्र्यंबकेश्वर ज्योर्तिलिंग 422212 (नासिक) महाराष्ट्र	
वर्तमान दायित्व	झुण्डी अध्यक्ष महंत	स्वामी श्री शिव ज्ञानानंद सरस्वती महाराज
सम्पर्क सूत्र	99 22 44 45 69	
शारीरिक अवतरण	भारतवर्ष के गुजरात राज्य के एक पवित्र पावन एवं प्रसिद्ध धार्मिक स्थल द्वारिकाधीश नगरी में एक अत्यंत धार्मिक ब्राम्हण परिवार में शारीरिक अवतरण, निर्जला एकादशी, कृष्ण पक्ष, अषाढ़ मास, विक्रम संवत 2049 दिन बुधवार को हुआ।	

कार्य शैली 01	जीवन की अंतिम सांसों तक चलने वाली, अखंड भारत सेवा संकल्प पद यात्रा के माध्यम से विश्व तथा भारत के सभी शहरों एवं गाँव-गाँव में वैदिक, आध्यात्मिक, अत्याधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ-साथ सनातन-धर्म के पौरिणिक इतिहास एवं सोलह संस्कारों का ज्ञान प्रदान करने एवं उनमें से त्रिकालदर्शी बालक-बालिकाओं को चयनित कर, उनकी सुप्त-शक्तियों को जागृत कर, विश्व कल्याण तथा देश हित में भारत माता के श्री चरणों में अर्पित करने एवं विश्व कल्याण हित में समर्पित करना है। विश्व के प्रत्येक कोने-कोने से उन अज्ञात चन्द्रगुप्तों को चयनित कर उन्हें उत्कृष्ट मार्गदर्शन प्रदान कर, उन्हें विश्व कल्याण एवं भारत के हित में सर्वोत्तम योगदान देने योग्य बनाकर भारत माता के श्री चरणों में समर्पित करना है।
02	सनातन धर्म के अनुयायियों का भविष्य फल, ज्योतिष शास्त्र, हस्तरेखा विज्ञान एवं वास्तु विज्ञान के आधार पर विवेचना कर, उचित मार्गदर्शन देना। उन्हें बताना कि परमपिता परमात्मा ने उन्हें किस दिशा, किस विषय, किस स्थान एवं किस व्यवसाय पर अपने आपको केन्द्रित करने के लिए संरचनित किया है, जिससे उन्हें सफलता प्राप्त हो सके। इस तरह भारत को विश्वगुरू बनाने के अभियान में मदद मिल सकती है।
03	भारत एवं विश्व के बालक-बालिकाओं को अत्याधुनिक तकनीक के साथ-साथ पुरातन सोलह संस्कारों के ज्ञान से युक्त करने का प्रयास भी रहेगा ताकि, वे अपने माता-

	पिता, गुरू परिजनों एवं समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों, उनके महत्व एवं उनका आदर करना न भूले। परम-ब्रम्ह परमात्मा की सत्ता को स्मरण में रख कर प्रत्येक कार्य को सम्पादित करें, ताकि सम्पूर्ण विश्व में प्रेम और आपसी विश्वास की भावना बलवती हो।
04	आभा मंडल विज्ञान से मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक समस्याओं का समाधान।
05	अस्वस्थ्यता, मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक समस्याओं को वास्तु शास्त्र, स्वर विज्ञान, ध्यान और योग विज्ञान, जप एवं यज्ञ अनुष्ठान के साथ-साथ द्वारा वैदिक ज्योतिष विज्ञान द्वारा समस्याओं का समाधान।
06	सनातन धर्म क्या है, सोलह संस्कार क्या है, विवाह का वास्तिविक अर्थ क्या है, पाँच और सात वचन विवाह बन्धन के समय लिए जाने का वास्तिविक अर्थ क्या है, बच्चों को संस्कार वान् कैसे बनाए। हमारे माता पिता के प्रति हमारे कर्तव्य क्या क्या है। हमारे बच्चों के प्रति हमारे कर्तव्य क्या क्या है। हमारी दैनिक दिनचर्या कैसी होनी चाहिए। घर में पूजन हवन आरती करने से वातावरण की नरात्मक ऊर्जा कैसे दूर होती है। मानसिक तनाव से कैसे मुक्ति पाए। उत्तम स्वास्थ्य कैसे प्राप्त करे। सनातन धर्म की छोटी छोटी बातों का हमारे जीवन में क्या महत्व है। मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग से कौन कौन सी गम्भीर बिमारियाँ होती है। हमने इस धरती पर जन्म क्यों लिया,प्रभु द्वारा निर्धारित जीवनकाल समाप्त कर हम कहाँ जाते है। मोक्ष

	दीक्षा क्या है, इसके क्या लाभ है। आत्महत्या क्यों नहीं करनी चाहिए है। इस सब बातों से जनसाधारण को अवगत कराना।
07	मोक्ष दीक्षा प्रदान करने के कार्यक्रम आयोजित करना।
08	वैदिक ज्योतिष विज्ञान द्वारा मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक समस्याओं का समाधान।
09	अस्वस्थ्यता को वास्तु शास्त्र, स्वर विज्ञान, जप एवं यज्ञ अनुष्ठान से समाधान।
10	उत्तम स्वास्थ्य हेतु दैनिक दिनचर्या, व्यायाम, आहार विहार एवं वैदिक नियमों का पालन।
11	दैनिम दिनचर्या, ध्यान एवं योग विज्ञान द्वारा मानसिक और शारीरिक समस्याओं का समाधान।
12	ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कन्या पूजन एवं कन्या भोजन।
13	वास्तु शास्त्र का कोर्स, थर्ड आई एक्टिवेशन कोर्स, वैदिक ज्योतिष शास्त्र कोर्स, फेस रीडिंग विज्ञान का कोर्स, पैर के तलवों की रेखाओं की रीडिंग का कोर्स, रत्न विज्ञान एवं क्रिस्टल थेरेपी का कोर्स, रूद्राक्ष विज्ञान एवं थेरेपी का कोर्स, यंत्र, मंत्र एवं तंत्र सिद्धि कोर्स, भैरव तंत्र 112 मेडिटेशन कोर्स, योगा कोर्स, एक्यूप्रेशर एवं थैरेपी कोर्स, नैचुरोपैथी एवं वैदिक आयुर्वेद कोर्स, वैदिक यज्ञ अनुष्ठान कोर्स, त्राटक एवं चक्र जाग्रति कोर्स।

14	अखण्ड भारत सेवा संकल्प पद यात्रा जो कि सम्पूर्ण जीवनकाल में निरंतर चलती रहेगी।
15	यात्रा के दौरान व्यक्तिगत रूप से हस्त रेखा एवं कुण्डली विवेचना के साथ-साथ मार्गदर्शन करेगें।
16	वास्तु शास्त्र का कोर्स, थर्ड आई एक्टिवेशन कोर्स, वैदिक ज्योतिष शास्त्र कोर्स, फेस रीडिंग विज्ञान का कोर्स, पैर के तलवों की रेखाओं की रीडिंग का कोर्स, रत्न विज्ञान एवं क्रिस्टल थेरेपी का कोर्स, रूद्राक्ष विज्ञान एवं थेरेपी का कोर्स, यंत्र, मंत्र एवं तंत्र सिद्धि कोर्स, भैरव तंत्र 112 मेडिटेशन कोर्स, योगा कोर्स, एक्यूप्रेशर एवं थैरेपी कोर्स, नैचुरोपैथी एवं वैदिक आयुर्वेद कोर्स, वैदिक यज्ञ अनुष्ठान कोर्स, त्राटक एवं चक्र जाग्रति कोर्स।
भविष्य की रूपरेखा गुरूकुल में आयोजित की जावेगी।	

महंत स्वामी श्री शिव ज्ञानानंद सरस्वती महाराज
अखिल भारतीय दसनाम नागा संन्यासी
त्र्यंबकेश्वर(नासिक)महाराष्ट्र